RNA : Real News Analysis

DAILY CURRENT AFFAIRS

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

DATE
अगस्त
29
2025

Key Point

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defence News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors

By Ankit Avasthi Sir

PM स्वनिधि योजना / PM SVANidhi scheme

संदर्भ:

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर आत्मनिर्भर निधि (PM SVANidhi) योजना के पुनर्गठन को मंजूरी दी और इसके तहत ऋण देने की अवधि, जो पहले 31 दिसंबर 2024 को समाप्त होने वाली थी, अब 31 मार्च 2030 तक बढ़ा दी गई है।

PM स्वनिधि योजना (PM SVANidhi) के पुनर्गठन से प्रमुख बिंदु:

1. **ऋण अवधि का विस्तार:** योजना की ऋण अवधि पहले **31 दिसंबर 2024** थी, जिसे बढ़ाकर **31 मार्च 2030** कर दिया गया है।
2. **योजना का कुल बजट:** पुनर्गठित योजना का **कुल परिव्यय ₹7,332 करोड़** निर्धारित किया गया है।
3. **ऋण की बढ़ी हुई राशि:**
   - **पहली किस्त:** ₹10,000 → ₹15,000
   - **दूसरी किस्त:** ₹20,000 → ₹25,000
   - **तीसरी किस्त:** ₹50,000 (यथावत)
4. **RuPay क्रेडिट कार्ड की सुविधा:** दूसरी किस्त चुकाने वाले लाभार्थी अब UPI-लिंक्ड RuPay क्रेडिट कार्ड के पात्र होंगे।
5. **कैशबैक प्रोत्साहन:** डिजिटल भुगतान को प्रोत्साहित करने के लिए लाभार्थियों को **₹1,600 तक कैशबैक** का लाभ मिलेगा।
6. **योजना का विस्तार:** अब योजना का दायरा सिर्फ वैधानिक कस्बों तक सीमित नहीं, बल्कि जनगणना कस्बों और अर्ध-शहरी क्षेत्रों तक बढ़ा दिया गया है।

पीएम स्वनिधि योजना (PM SVANidhi)

परिचय:

पीएम स्वनिधि एक **केंद्रीय क्षेत्र की योजना** है, जिसे **आवास और शहरी कार्य मंत्रालय** द्वारा पूर्णत: वित्तपोषित किया जाता है।

- योजना के तहत **सूक्ष्म वित्त संस्थाएं, NBFCs (गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां)** और **स्वयं सहायता समूह (SHGs)** स्ट्रीट वेंडरों को ऋण प्रदान कर सकते हैं।
- इन संस्थाओं की स्थानीय स्तर पर मजबूत उपस्थिति है और ये सीधे **शहरी गरीबों, विशेषकर स्ट्रीट वेंडरों** से जुड़े रहते हैं।

उद्देश्य:

1. **कार्यशील पूंजी ऋण उपलब्ध कराना:** स्ट्रीट वेंडरों को उनके व्यवसाय के लिए **आसान और सुलभ ऋण** प्रदान करना।
2. **वित्तीय समावेशन:** वेंडरों को **औपचारिक बैंकिंग प्रणाली** से जोड़ना।
3. **डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देना:** डिजिटल लेनदेन को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना।
4. **पहचान और मान्यता प्रदान करना:** स्ट्रीट वेंडरों को **आधिकारिक पहचान और सामाजिक सुरक्षा** सुनिश्चित करना।

पीएम स्वनिधि योजना: प्रमुख उपलब्धियाँ-

1. **शुरुआत:** कोविड-19 महामारी के दौरान **1 जून 2020** को योजना शुरू की गई।
2. **ऋण वितरण:** अब तक **68 लाख से अधिक स्ट्रीट वेंडरों** को **₹13,797 करोड़** के **96 लाख से अधिक ऋण** वितरित किए गए।
3. **डिजिटल लेनदेन:**
   - लगभग **47 लाख लाभार्थी डिजिटल रूप से सक्रिय** हैं।
   - उन्होंने **₹6.09 लाख करोड़** के **557 करोड़ डिजिटल लेनदेन** किए।
4. **कैशबैक प्रोत्साहन:** लाभार्थियों को कुल **₹241 करोड़** का **कैशबैक लाभ** प्रदान किया गया।
5. **'स्वनिधि से समृद्धि' पहल:** 3,564 शहरी स्थानीय निकायों में **46 लाख लाभार्थियों** का **सामाजिक-आर्थिक प्रोफ़ाइल** तैयार किया गया।
6. **अन्य योजनाओं की स्वीकृतियाँ:** इन प्रयासों के परिणामस्वरूप **1.38 करोड़ से अधिक अन्य योजनाओं की स्वीकृतियाँ** लाभार्थियों को प्रदान की गईं।

सम्मान एवं पुरस्कार:

- प्रधानमंत्री पुरस्कार (2023) – लोक प्रशासन में उत्कृष्टता के लिए।
- रजत पुरस्कार (2022) – डिजिटल परिवर्तन हेतु सरकारी प्रक्रिया पुनर्रचना में उत्कृष्टता के लिए।

प्रधानमंत्री जन धन योजना / Pradhan Mantri Jan Dhan Yojana

संदर्भ:

प्रधानमंत्री जन धन योजना (PMJDY) ने अपने 11 वर्ष पूरे कर लिए हैं। 28 अगस्त 2014 को शुरू की गई इस महत्वाकांक्षी योजना ने देशभर में वित्तीय समावेशन को नई दिशा दी है।

प्रधानमंत्री जन धन योजना (PMJDY) –

परिचय:

प्रधानमंत्री जन धन योजना अगस्त 2014 में शुरू की गई थी। इसका उद्देश्य देश के हर नागरिक को बैंकिंग प्रणाली से जोड़ना और वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देना है। विशेष रूप से उन लोगों के लिए जो पहले से बैंकिंग सुविधाओं से वंचित थे।

मुख्य विशेषताएँ:

1. **शून्य बैलेंस खाता:** न्यूनतम बैलेंस की कोई आवश्यकता नहीं।
2. **मुफ्त रूपे डेबिट कार्ड:** हर खाता धारक को फ्री कार्ड उपलब्ध।
3. **ओवरड्राफ्ट सुविधा:** पात्र खाताधारकों को ₹10,000 तक।
4. **DBT और अन्य योजनाओं से जोड़ना:**
    - पीएम जीवन ज्योति बीमा योजना (PMJJBY)
    - पीएम सुरक्षा बीमा योजना (PMSBY)
    - अटल पेंशन योजना (APY)
    - मुद्रा योजना
5. **चेक बुक:** बैंक अपनी नीति अनुसार उपलब्ध कराते हैं।

प्रभाव और उपलब्धियाँ:

1. **बैंकिंग पहुँच:** 99.9% गांवों में 5 किमी के भीतर बैंक शाखा या बैंक मित्र उपलब्ध।
2. **प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (DBT):**
    - एलपीजी सब्सिडी, पेंशन, कोविड-राहत आदि सीधे लाभार्थियों तक पहुँची।
    - बिचौलियों की भूमिका खत्म, भ्रष्टाचार और लीकेज कम।
3. **संकट प्रबंधन:** नोटबंदी (2016) और कोविड-19 महामारी में तुरंत नकद सहायता पहुँचाई।
4. **वित्तीय सुरक्षा:** बीमा और पेंशन योजनाओं से असंगठित क्षेत्र के लोगों को सुरक्षा कवच।
5. **खाते और जमा राशि:**
    - कुल खाते: 56.2 करोड़+
    - कुल जमा राशि: ₹2.68 लाख करोड़ (2015 की तुलना में 17 गुना वृद्धि)
    - प्रति खाता औसत जमा राशि: ₹4,768
    - 38.68 करोड़ रुपये कार्ड जारी।

प्रगति:

1. **लैंगिक समावेशन:** 56% खाते महिलाओं के नाम।
2. **डिजिटल इकोसिस्टम:** 38.7 करोड़ से अधिक रुपे कार्ड, यूपीआई लेनदेन बढ़ा।
3. **ग्रामीण पहुँच:** 37.5 करोड़ खाते ग्रामीण/अर्ध-शहरी क्षेत्रों से।
    - 16.2 लाख+ बैंक मित्र ग्रामीण क्षेत्रों में सेवा।
4. **जमा विस्तार:** कुल बैलेंस ₹2.68 लाख करोड़ तक, बचत की आदत को बढ़ावा।
5. **खाता विस्तार:** दुनिया का सबसे बड़ा वित्तीय समावेशन अभियान।

निष्कर्ष:

पिछले 11 वर्षों में प्रधानमंत्री जन धन योजना ने भारत में वित्तीय समावेशन के दृष्टिकोण को पूरी तरह बदल दिया है। इस योजना ने संगठित रूप से क्रियान्वयन और निरंतर सुधार के माध्यम से 56 करोड़ से अधिक लोगों को औपचारिक बैंकिंग सेवाओं से जोड़ा है। साथ ही इसने लैंगिक समानता को बढ़ावा दिया है और प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (DBT) प्रणाली को अधिक सक्षम बनाया है, जिससे यह समावेशी आर्थिक विकास की आधारशिला बन गई है।

भारतीय निर्यात पर अमेरिका का 50% टैरिफ और इसके निहितार्थ / USA's 50% Tariffs on Indian Exports and Its Implications

संदर्भ:

अमेरिका ने भारतीय सामान पर लगाए जाने वाले **टैरिफ को 50%** तक बढ़ा दिया है, जिससे आर्थिक विकास, विशेषकर वस्त्र और गहनों के क्षेत्र में चिंताएँ बढ़ गई हैं।

प्रभावित प्रमुख क्षेत्र:

- वस्त्र और परिधान (Textiles & Apparel)
- रत्न और आभूषण (Gems & Jewellery)
- झींगा (Shrimp)
- कालीन (Carpets)
- चमड़ा (Leather)
- फर्नीचर (Furniture)

ये सभी क्षेत्र श्रम-प्रधान (Labour-intensive) हैं और बड़ी संख्या में रोजगार (Jobs) उत्पन्न करते हैं।

जिन वस्तुओं को टैरिफ से छूट मिली

- दवाइयाँ (Pharmaceuticals)
- इलेक्ट्रॉनिक्स (Electronics)
- पेट्रोलियम उत्पाद (Petroleum Products)

भारत की अर्थव्यवस्था पर प्रभाव

1. व्यापार पर असर (Trade Impact):

- अमेरिका को भारत का निर्यात FY25 में 87 बिलियन डॉलर से घटकर FY26 में 49.6 बिलियन डॉलर तक पहुँच सकता है, यानी **43% की गिरावट**।
- अमेरिका भारत के **कुल माल निर्यात (merchandise exports)** का 20% और **GDP का लगभग 2%** हिस्सा है।

2. घरेलू चिंताएँ और उद्योगों की माँग:

- **रत्न एवं आभूषण परिषद (GJEPC):** 25-50% तक के टैरिफ को कवर करने के लिए **ड्यूटी ड्रॉबैक/रिइम्बर्समेंट योजना** की माँग कर रहा है ताकि प्रतिस्पर्धा बनी रहे।
- **टेक्सटाइल उद्योग:** तात्कालिक नकद सहायता, **लोन मोरेटोरियम**, और यूरोपियन यूनियन (EU) व अन्य साझेदारों के साथ **FTAs** को तेज़ी से लागू करने की माँग कर रहा है ताकि निर्यात बाज़ारों का विविधीकरण किया जा सके।

3. रोजगार पर असर (Job Protection): उद्योगों को डर है कि **श्रम-गहन (labour-intensive) निर्यात केंद्रों** में बड़े पैमाने पर छँटनी हो सकती है – सूरत (हीरे), तिरुपुर (कपड़ा), आंध्र प्रदेश (झींगा पालन)।

4. प्रतिस्पर्धियों को लाभ (Competitors Benefiting):

- **वियतनाम, बांग्लादेश, कंबोडिया, पाकिस्तान और चीन** जैसे देशों पर कम टैरिफ लग रहे हैं।
- इन देशों के भारत का **खोया हुआ निर्यात बाज़ार** कब्जाने की संभावना अधिक है।

भारत की पहलें (India initiatives to mitigate the impact):

- **ई-कॉमर्स एक्सपोर्ट हब्स (ECEHs):** ऑनलाइन निर्यातकों के लिए एकीकृत लॉजिस्टिक्स, वेयरहाउसिंग और कस्टम क्लीयरेंस सुविधाएँ प्रदान करने का प्रस्ताव।
- **उद्योग हितधारकों से परामर्श:** MSMEs, वैश्विक ई-कॉमर्स कंपनियों और रिटेलर्स के साथ लगातार संवाद, ताकि नियामक सुधारों (regulatory reforms) में संतुलन बनाया जा सके।
- **इन्वेंटरी-आधारित ई-कॉमर्स की संभावनाएँ:** इस मॉडल से MSMEs के अनुपालन बोझ (compliance burden) को कम किया जा सकता है या नहीं, इस पर चर्चा जारी।
- **टैरिफ वार्ता:** वैश्विक संरक्षणवाद (global protectionism) के बावजूद भारत के संवेदनशील निर्यात क्षेत्रों की प्रतिस्पर्धात्मकता बनाए रखने के लिए प्रयास।

भारत अमेरिका व्यापार:

चतुर्भुज तारा प्रणाली / Quadruple Star System

संदर्भ:

वैज्ञानिकों ने UPM J1040−3551 AabBab नामक एक दुर्लभ चतुष्क तारा प्रणाली की खोज की है, जिसमें दो लाल बौने तारों के साथ परिक्रमा करते हुए दो भूरे बौने तारे शामिल हैं।

मिल्की वे में खोजा गया दुर्लभ चौगुना तारा तंत्र:

- इस प्रणाली के केंद्र में दो **युवा लाल बौने तारे (M-type Red Dwarfs)** हैं, जो आपस में एक **युग्म (Binary System)** बनाते हैं।
- इन दोनों के चारों ओर दो **ठंडे T-प्रकार के ब्राउन ड्वार्फ़ (Brown Dwarfs)** परिक्रमा कर रहे हैं।
- **ब्राउन ड्वार्फ़** सामान्य तारों की तरह हाइड्रोजन का संलयन (Fusion) नहीं कर पाते, लेकिन वे ग्रहों से कहीं अधिक बड़े और भारी होते हैं।
- ये चारों पिंड मिलकर एक **श्रृंखलाबद्ध चौगुना तंत्र (Hierarchical Quadruple System)** बनाते हैं। ऐसा अद्वितीय विन्यास पहले कभी नहीं देखा गया।

UPM J1040−3551 AabBab के बारे में: यह आकाशगंगा (Milky Way) में खोजा गया एक नया quadruple star system है।

- **संरचना (Composition):** इसमें दो cold T-type brown dwarfs पाए गए हैं, जो एक जोड़ी young red dwarf stars की परिक्रमा कर रहे हैं।

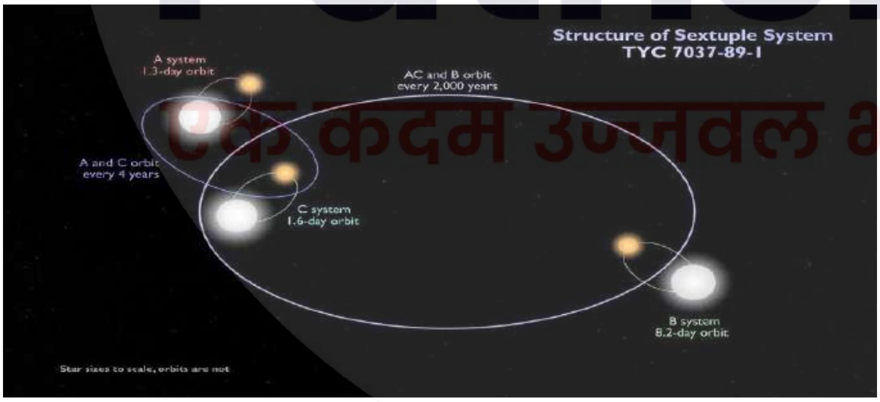

- **विशेषता:** यह अपनी तरह का पहला ज्ञात तंत्र है। ब्राउन ड्वार्फ़ सामान्यत: अकेले पाए जाते हैं और इनके साथ साथी होने की संभावना 5% से भी कम होती है, इसलिए यह खोज अत्यंत दुर्लभ है।
- **महत्त्व (Significance):** यह प्रणाली low-mass stars और sub-stellar objects (उप-तारकीय पिंडों) के निर्माण और विकास को समझने में नई जानकारी प्रदान करती है।

क्यों है यह अद्वितीय:

- **पहली बार देखा गया:** यह अब तक का पहला पुष्ट उदाहरण है, जहाँ ब्राउन ड्वार्फ़, लाल बौनों की जोड़ी के चारों ओर परिक्रमा कर रहे हैं।
- **बेहद दुर्लभ:** सामान्यत: ब्राउन ड्वार्फ़ अकेले पाए जाते हैं या कभी-कभी एक साथी के साथ। केवल 5% से भी कम ब्राउन ड्वार्फ़ बहु-तारा प्रणालियों का हिस्सा होते हैं।
- **जटिल गतिकी:** दो तारों और दो उप-तारकीय पिंडों के बीच का गुरुत्वाकर्षण संबंध इस प्रणाली को अध्ययन के लिए एक असाधारण प्राकृतिक प्रयोगशाला बनाता है।

भूरे बौने तारे:

- ये खगोलीय पिंड तारे और ग्रह के बीच की श्रेणी में आते हैं।
- बनने का तरीका: गैस और धूल के बादल से तारे की तरह बनते हैं, लेकिन इनमें हाइड्रोजन संलयन (fusion) करने के लिए पर्याप्त द्रव्यमान नहीं होता।
- इन्हें **"Failed Stars" (असफल तारे)** भी कहते हैं।
- द्रव्यमान: बृहस्पति (Jupiter) से लगभग 70 गुना तक हो सकता है।
- वातावरण: गैस दानव ग्रहों (Jupiter, Saturn) जैसा, जिनमें जलवाष्प और अणु पाए जाते हैं।
- बहुत धुंधले और ठंडे होते हैं, आमतौर पर अन्य तारों के साथ पाए जाते हैं।
- महत्व: ये तारे और ग्रहों के बीच की सीमा को समझने में मदद करते हैं और ब्रह्मांड में द्रव्यमान वितरण व डार्क मैटर के अध्ययन में उपयोगी हैं।

जॉइंट मिलिट्री डॉक्ट्रिन्स / joint military doctrines

संदर्भ:

भारतीय सशस्त्र बल संयुक्तता, एकीकरण और थिएटराइजेशन की दिशा में लगातार आगे बढ़ रहे हैं। इसी क्रम में रक्षा मंत्रालय ने हाल ही में **मध्य प्रदेश के महू स्थित आर्मी वॉर कॉलेज** में आयोजित **'रण संवाद' 2025** संगोष्ठी के दौरान तीन नई संयुक्त सिद्धांतों को मंजूरी दी है।

जॉइंट मिलिट्री डॉक्ट्रिन्स:

1. **स्पेशल फोर्सेज ऑपरेशन्स के लिए जॉइंट डॉक्ट्रिन:**
   - आर्मी के Para (SF), नेवी के MARCOS और IAF के Garuds को एकीकृत रूप में लाता है।
   - सामान्य शब्दावली, मानक संचालन प्रक्रिया और संयुक्त प्रशिक्षण स्थापित करता है।
   - भूमि, समुद्री और वायु क्षेत्र में भविष्य के हथियारों की इंटरऑपरेबिलिटी और एकीकृत कमांड एवं कंट्रोल पर ध्यान केंद्रित करता है।
2. **एयरबोर्न और हेलिबोर्न ऑपरेशन्स के लिए जॉइंट डॉक्ट्रिन:**
   - पैराशूट और हेलिकॉप्टर लिफ्ट मिशनों में निर्बाध समन्वय सुनिश्चित करता है।
   - आर्मी, नेवी और एयर फोर्स के बीच योजना और क्रियान्वयन को मानकीकृत करता है।
   - उन्नत एयर मोबिलिटी संसाधनों (हेवी-लिफ्ट हेलीकॉप्टर, ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट) और रियल-टाइम इंटेलिजेंस के लिए यूएएस के एकीकरण पर जोर देता है।
3. **मल्टी-डोमेन ऑपरेशन्स (MDO) के लिए जॉइंट डॉक्ट्रिन:**
   - भूमि, समुद्र, वायु, अंतरिक्ष और साइबर क्षेत्रों में समन्वय को बढ़ावा देता है।
   - संघर्ष की न्यूनतम स्थिति में विरोधियों का मुकाबला करने पर केंद्रित है।
   - उन्नत तकनीकों, नवाचारी संरचनाओं और पूर्ण नेटवर्केड संयुक्त ऑपरेशन्स के उपयोग को प्रोत्साहित करता है।

नेशनल डिजास्टर रेस्पांस फोर्स / NDRF

संदर्भ:

सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त समिति ने दिल्ली के मोरफोलॉजिकल रिज क्षेत्र की पारिस्थितिक दृष्टि से संवेदनशील भूमि पर राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (NDRF) मुख्यालय के निर्माण को सशर्त मंजूरी दी है।

नेशनल डिजास्टर रेस्पांस फोर्स (NDRF):

- **परिचय:** NDRF भारत में आपदा प्रबंधन के लिए गृह मंत्रालय (MHA) के तहत काम करने वाली एक विशेषीकृत बल है।
- **स्थापना:** डिजास्टर मैनेजमेंट एक्ट, 2005 के तहत गठित, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (NDMA) के गठन के बाद।
- **संरचना:** 16 बटालियन, जो केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (CAPFs) जैसे BSF, CISF, CRPF, ITBP, SSB और असम राइफल्स से डिप्युटेशन पर आती हैं।
- **भूमिका और कार्य:**
  - प्राकृतिक और मानव-निर्मित आपदाओं (बाढ़, भूकंप, रासायनिक, जैविक, रेडियोलॉजिकल और न्यूक्लियर (CBRN) आपात स्थितियों) का जवाब देना।
  - "सक्रिय तैनाती" और "पूर्व स्थिति निर्धारण" के माध्यम से जीवन और संपत्ति के नुकसान को कम करना।

महत्व: NDRF भारत की आपदा प्रतिक्रिया प्रणाली का केंद्रीय स्तंभ है, जो संकट के समय तुरंत और कुशल सहायता प्रदान करती है।

एक्सरसाइज ब्राइट स्टार / Exercise Bright Star

संदर्भ:

भारत मिस्र में आयोजित होने वाले 'एक्सरसाइज ब्राइट स्टार 2025' के 19वें संस्करण में तीनों सेनाओं के 700 से अधिक सैनिकों के साथ भाग लेने जा रहा है।

Exercise Bright Star के बारे में

- **उत्पत्ति:** 1980 में अमेरिका और मिस्र के बीच द्विपक्षीय सैन्य अभ्यास के रूप में शुरू हुआ, ईजिप्ट-इजराइल शांति संधि के बाद।
- **प्रकृति:** अब यह मध्य पूर्व में सबसे बड़े और लंबे समय से चल रहे बहुराष्ट्रीय त्रि-सेवा सैन्य अभ्यासों में से एक बन गया है।
- **आवृत्ति:** यह दो-वार्षिक (biennial) रूप से मिस्र में आयोजित होता है, जिसमें संयुक्त राज्य अमेरिका प्रमुख भागीदार है।
- **उद्देश्य:**
  - क्षेत्रीय सुरक्षा और स्थिरता को मजबूत करना।
  - भागीदार देशों के बीच संयुक्तता (jointness), इंटरऑपरेबिलिटी और संचालन समन्वय को बढ़ाना।
- **2025 संस्करण की मुख्य विशेषताएँ:**
  - **पैमाना:** लगभग 7,900 सैनिक 43 देशों से।
  - **प्रत्यक्ष तैनाती:** 13 देश अपने सैनिक भेजते हैं।
  - **पर्यवेक्षक देश:** 30 देश भाग ले रहे हैं।
- **रणनीतिक महत्व:**
  - भारत, मिस्र, अमेरिका और अन्य भागीदार देशों के बीच रक्षा सहयोग को सुदृढ़ बनाता है।
  - पश्चिम एशिया, लाल सागर और खाड़ी क्षेत्र की सुरक्षा चुनौतियों के मद्देनजर महत्वपूर्ण।

पोंग बांध / Pong Dam

संदर्भ:

पोंग बांध का जलस्तर अधिकतम अनुमेय सीमा 1,390 फीट से ऊपर बना रहा, जिससे निचले क्षेत्रों में गंभीर स्थिति उत्पन्न हो गई है।

Pong Dam के बारे में:

- **स्थान और प्रकार:** Pong Dam, जिसे Beas Dam भी कहा जाता है, हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले में शिवालिक पहाड़ियों के वेटलैंड पर बने Beas नदी पर स्थित एक अर्थ-फिल (earth-fill) बांध है।
- **उद्देश्य:** मुख्य रूप से सिंचाई के लिए जल भंडारण और जलविद्युत उत्पादन।
- **निर्माण अवधि:** बांध का निर्माण 1961 में शुरू हुआ और 1974 में पूरा हुआ। उस समय यह अपने प्रकार का देश का सबसे ऊँचा बांध था।

Pong Dam की विशेषताएँ:

- **प्रकार और आकार:** Pong Dam एक अर्थ-फिल (earth-fill) एम्बैंकमेंट बांध है, जिसमें ग्रेवेल शेल (gravel shell) शामिल है।
- **ऊँचाई और लंबाई:** बांध की ऊँचाई 133 मीटर और लंबाई 1,951 मीटर है।
- **क्रेस्ट की चौड़ाई और ऊँचाई:** क्रेस्ट की चौड़ाई 13.72 मीटर है और यह समुद्र तल से लगभग 435.86 मीटर की ऊँचाई पर स्थित है।
- **बेस की चौड़ाई और आयतन:** बांध का बेस लगभग 610 मीटर चौड़ा है और इसका कुल आयतन 35,500,000 घन मीटर है।

आर्टिफिशियल झील: बांध के जलस्तर बढ़ने से महाराणा प्रताप सागर नामक कृत्रिम झील बनी।

पक्षी संरक्षण: 1983 में इस झील को विविध जलपक्षियों के कारण पक्षी अभयारण्य घोषित किया गया।

रैमसर साइट: समय के साथ यह स्थल प्रवासी पक्षियों के लिए अभयारण्य बन गया और 2002 में इसे रैमसर वेटलैंड साइट के रूप में मान्यता मिली।

GS FOUNDATION
For
UPSC & STATE PSC
इतिहास
अर्थव्यवस्था
भूगोल
भारतीय संविधान एवं राजव्यवस्था
1500x4
₹6000/-
₹4500/-
रोज़ाना लाइव क्लासेस
साप्ताहिक टेस्ट
क्लास की पीडीएफ (हिंदी + अंग्रेज़ी में)
लाइव डाउट सेशन
रोज़ाना प्रैक्टिस प्रश्न
COURSE VALIDITY
1 YEAR

FUNDAMENTALS OF STOCK MARKET

LEARN HOW TO TRADE

FOUNDATION COURSE OF MUTUAL FUND

INVEST IN KNOWLEDGE GROW YOUR WEALTH

COMBO OFFERS

COURSE FEE

~~₹4000/-~~

OFFER PRICE

₹2800/-

Course Validity
1 YEAR

एक निवेश समझदारी से..

FUNDAMENTALS OF
STOCK MARKET
LEARN HOW TO TRADE
Baaten Bazar Ki
Course fee
₹1999/-
COURSE VALIDITY
1 YEAR
INVESTMENT की करो जीरो से शुरुवात

FOUNDATION COURSE OF
MUTUAL FUND
Invest in Knowledge
Grow Your Wealth
Course fee
₹1999/-
COURSE VALIDITY
1 YEAR
एक निवेश समझदारी से..

PORTFOLIO BUILDING AND MANAGEMENT COURSE
+ (FUNDAMENTAL OF STOCK MARKET)
FREE
EMI AVAILABLE
» Long-Term Investing Foundations
» Principles of Value Investing and Stock
» Portfolio Construction Mastery
» Sectoral Investing
» Stock Picking Framework
» Active Portfolio Management Techniques
» Mega Cap vs Mid Cap Strategy
SPECIAL BONUS
COURSE VALIDITY
1 YEAR